एम.पी.ए.

एम.ए. (लोक प्रशासन)
प्रथम वर्ष

सत्रीय कार्य
2020-21

एम.ए. लोक प्रशासन प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए
जुलाई 2020 और जनवरी 2021 सत्रों के लिए

एम.पी.ए.–11 : राज्य, समाज और लोक प्रशासन

एम.पी.ए.–12 : प्रशासनिक सद्धांत

एम.पी.ए.–13 : सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन

एम.पी.ए.–14 : मानव संसाधन प्रबंधन

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

लोक प्रशासन संकाय

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110 068

सत्रीय कार्य
2020-2021

प्रिय विद्यार्थी,

आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य अनिवार्य हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है।

सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर आप अपने शब्दों में दें। यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रश्न का उत्तर जितने शब्दों में देने के लिए कहा जाए उसका उत्तर लगभग उतने ही शब्दों में दीजिए।

सत्रीय कार्य पूरा करने के बाद आप इसे अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास जमा करें। सत्रीय कार्य जमा करने के बाद इसकी पावती अवश्य प्राप्त कर लें और इसे अपने पास संभाल कर रख लें। अच्छा हो कि आप अपने सत्रीयकार्यों के उत्तर की फोटोकॉपी भी अपने पास रख लें।

सत्रीयकार्यों के उत्तर जाँचने के बाद जाँचे गये उत्तर अध्ययन केन्द्र से आपको लौटा दिए जाएँगे। आप इसकी माँग अवश्य करें। अध्ययन केन्द्र आपके द्वारा प्राप्त अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, दिल्ली को भेज देगा। इसे आपके ग्रेड कार्ड में शामिल कर लिया जाएगा।

सत्रीय कार्य जमा करना

आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सत्रांत परीक्षा देने से पहले आप सत्रींय कार्य अवश्य जमा करा दें। इसलिए आपको यह सलाह दी जाती है कि आप इसे दी गई अवधि के भीतर पूरा कर लें। एम.ए. प्रथम वर्ष में आपको कुल मिलाकर 4 सत्रीय कार्य करने हैं। सभी सत्रीयकार्यों की जमा करने की अंतिम तारीख में आपको काफी समय दिया गया है लेकिन आपको हम यह सलाह देना चाहते हैं कि आप अपने पाठ्यक्रम के अध्ययन के साथ-साथ इसे बारी बारी से पूरा करते चलें और इसी हिसाब से आप उसे जमा भी करते जाएँ ताकि आपको अंक, परामर्शदाता की टिप्पणी और मूंल्याकित सत्रीय कार्य मिलते रहें। सुनियोजित ढंग से योजना बनाकर आप निर्धारित अवधि के भीतर अपने सारे सत्रीय कार्य पूरे कर सकते हैं। सभी सत्रीयकार्यों को जमा करने के लिए अंतिम तारीख का इंतजार नहीं करें क्योकि एक ही साथ सारे सत्रीयकार्यों को हल करना आपके लिए मुश्किल हो जाएगा।

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2020 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**31 मार्च 2021**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास
जनवरी 2021 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**30 सितम्बर 2021**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास

सवालों का जवाब देने से पहले नीचे दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए:

सत्रीय कार्य के लिए निर्देश

इन सत्रीय कार्यों में दो तरह से सवाल पूछे जाएँगे:

1) प्रत्येक विवरणात्मक और निबंधात्मक प्रश्नों का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित होंगे।

2) प्रत्येक लघु श्रेणी प्रश्नों का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे।

निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखने से आपके लिए उत्तर देना आसान होगा:

क) **नियोजन :** सत्रीय कार्यों को ध्यान से पढ़िए। उन इकाइयों को ध्यान से पढ़िए जिनसे ये सवाल पूछे गए हैं। प्रत्येक सवाल का जवाब देने के लिए कुछ प्रमुख बिन्दुओं को अलग से लिख लें और इन्हें तार्किक ढंग से फिर से व्यवस्थित कर लें।

ख) **चयन :** अपने जवाब की रूपरेखा बनाते समय जरूरी बातों का ही उल्लेख करें। उत्तर को विश्लेषणात्मक बनाएँ। निबंधात्मक प्रश्न में प्रस्तावना और निष्कर्ष अवश्य शामिल करें। प्रस्तावना के अन्तर्गत उत्तर के प्रमुख पक्षों को प्रस्तुत करें और यह बताएँ कि आप इस सवाल का जवाब किस तरह से देने जा रहे हैं। अपने उत्तर के उपसंहार में मुख्य बिन्दुओं का सार भी दें।

उत्तर देते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि:

- आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो,
- वाक्यों और अनुच्छेद के बीच स्पष्ट संबंध हो,
- आपकी शैली, अभिव्यक्ति और प्रस्तुति के साथ-साथ आपके उत्तर भी सही हों
- यह चेष्टा करें कि आपके उत्तर शब्द सीमा से अधिक न हों।

ग) **प्रस्तुति :** जब आप संतुष्ट हो जाएँ तो सत्रीय कार्य जमा करने से पहले इसे साफ-साफ लिख लें। जिन बिंदुओं पर आप बल देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित भी कर सकते हैं।

घ) **व्याख्या :** इतिहास लेखन में व्याख्या एक निंरतर प्रक्रिया है। यह आपकी योजना और चयन में पहले ही अभिव्यक्त हो चुका है। "हो सकता है", "संभव है", "हो सकता था", आदि जैसी व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ खुद ब खुद लेखन में व्याख्या के तथ्य शामिल कर लेती हैं। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि इस प्रकार की टिप्पणियों के साथ-साथ आपके उत्तर में इसे पुष्ट करने वाले तथ्य भी शामिल होने चाहिए।

एम.पी.ए.– 011
राज्य, समाज और लोक प्रशासन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए..-011

सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.-011/टी.एम.ए./2020-2021

पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न करने अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग-I

1. वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में राज्य की भूमिका की चर्चा कीजिये। **20**

2. समाज-प्रशासन संबंध पर रिग्स के योगदान का परीक्षण कीजिये। **20**

3. 'राज्य के सिद्धांत पर गाँधीवादी परिप्रेक्ष्य को स्वराज नामक राजनीतिक मॉडल में सन्निहित किया गया था।' टिप्पणी कीजिये। **20**

4. नागरिक-प्रशासन अंतराफलक के लिये संस्थागत उपकरणों एवं कार्यनीतियों का विश्लेषण कीजिये। **20**

5. भारतीय राज्य के उद्‌भव एवं भूमिका की चर्चा कीजिये। **20**

भाग-II

6. नीति निर्धारण में नौकरशाही की भूमिका की व्याख्या कीजिये। **20**

7. लोक शासन के अंतर्राष्ट्रीयकरण की अवधारणा का वर्णन कीजिये। **20**

8. सुशासन के महत्त्व तथा विशेषताओं की चर्चा कीजिये। **20**

9. सूक्ष्म स्तर पर संघर्ष प्रबंधन पर एक टिप्पणी लिखिये। **20**

10. नैतिकता के संदर्भ का वर्णन कीजिये तथा लोक प्रशासन में उसके महत्त्व को उजागर कीजिये। **20**

एम.पी.ए.– 012
प्रशासनिक सिद्धांत
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए..-012

सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.-012/टी.एम.ए./2020-2021

पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न करने अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग-I

1. लोक प्रशासन को परिभाषित कीजिये और लोक एवं निजी प्रशासन के बीच अंतर तथा समानताओं को उजागर कीजिये। **20**

2. संगठन के प्ररूप वर्गीकरण पर एक टिप्पणी लिखिये। **20**

3. पिछले कुछ वर्षों में प्रशासनिक सिद्धांत के विकास का परीक्षण कीजिये। **20**

4. वैज्ञानिक प्रबंधन पर एफ.डब्ल्यू. टेलर के योगदान की चर्चा कीजिये। **20**

5. नौकरशाही को परिभाषित कीजिये तथा मैक्स वेबर के नौकरशाही के मॉडल का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। **20**

भाग-II

6. अब्राहम मॉस्लो के आवश्यकता पदानुक्रम सिद्धांत की व्याख्या कीजिये। **20**

7. विक्टर व्रूम के प्रत्याशा सिद्धांत का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। **20**

8. नवीन लोक प्रशासन के लक्ष्य तथा विरोधी लक्ष्य की व्याख्या कीजिये। **20**

9. संगठनात्मक संस्कृति को परिभाषित कीयिजे तथा उसके मुख्य घटकों की चर्चा कीजिये। **20**

10. नवीन लोक प्रबंधन परिप्रेक्ष्य के प्रभाव का परीक्षण कीजिये। **20**

एम.पी.ए.– 013
सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए..-013

सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.-013/टी.एम.ए./2020-2021

पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न करने अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग-I

1. सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन की अवधारणा की व्याख्या कीजिये तथा उसके क्षेत्र की चर्चा कीजिये। **20**

2. 'ऐसे विभिन्न सामाजिक कारक हैं जो सार्वजनिक प्रणाली के संगठन तथा कार्य परिवेश को प्रभावित करते हैं'। टिप्पणी कीजिये। **20**

3. शासन में विधानपालिका की भूमिका का परीक्षण कीजिये। **20**

4. अंतर-सरकारी संबंधों के मॉडलों का वर्णन कीजिये। **20**

5. बजट नियंत्रण के महत्त्वपूर्ण तरीकों पर एक टिप्पणी लिखिये। **20**

भाग-II

6. सामान-सूची नियंत्रण की अवधारणा की व्याख्या कीजिये तथा उसकी तकनीकों की चर्चा कीजिये। **20**

7. सामरिक प्रबंधन की महत्त्वपूर्ण विचारधाराओं पर एक टिप्पणी लिखिये। **20**

8. सार्वजनिक प्रणाली में अनुक्रियाशीलता सुनिश्चित करने की विभिन्न पद्धतियों की चर्चा कीजिये। **20**

9. उत्तरदायित्व की अवधारणा के बदलते परिप्रेक्ष्य का विश्लेषण कीजिये। **20**

10. सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन की अव्यवहारिकताओं का सामना करने वाली रणनीतियों का परीक्षण कीजिये। **20**

एम.पी.ए.– 014
मानव संसाधन प्रबंधन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए..-014

सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.-014/टी.एम.ए./2020-2021

पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न करने अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग-I

1. सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन के प्रभाव क्षेत्र की चर्चा कीजिये। **20**

2. कार्य संरचना को परिभाषित कीजिये तथा कार्य संवृद्धि और कार्य अभिवृद्धि के अर्थ एवं महत्त्व का वर्णन कीजिये। **20**

3. कार्य-निष्पादन मूल्यांकन की पारंपरिक पद्धतियों को उजागर कीजिये। **20**

4. पारिश्रमिक के सिद्धांतों पर एक टिप्पणी लिखिये। **20**

5. कर्मचारी लाभ का वर्णन कीजिये तथा उनके महत्त्वपूर्ण उद्देश्यों की व्याख्या कीजिये। **20**

भाग-II

6. कार्य-के-दौरान और कार्य के अन्यथा समय में प्रशिक्षण की विधियों का वर्णन कीजिये। **20**

7. समग्र गुणवत्ता प्रबंधन क्या है और उसके क्या लाभ हैं? **20**

8. आजादी के पश्चात् भारत में विभिन्न श्रमिक कानून की संक्षिप्त में चर्चा कीजिये। **20**

9. परिवर्तन को परिभाषित कीजिये तथा उसके विभिन्न उपागमों की चर्चा कीजिये। **20**

10. 'तनाव' को परिभाषित कीजिये तथा तनाव प्रबंधन की प्राचीन भारतीय पद्धतियों को उजागर कीजिये। **20**